

संख्या: 52 भू0कय/18(1)/2006

प्रेषक,

एन0एस0नपलच्याल,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवामें,

जिलाधिकारी,  
हरिद्वार।

राजस्व विभाग

देहरादून: दिनांक: 29 अगस्त, 2006

विषय:—मै0 एक्सप्रेसवे शोर्टब्रेक रिसोर्ट को तहसील रुड़की के ग्राम लिब्बरहेड़ी में होटल व्यवसाय हेतु कुल 0.684 है0 भूमि कय करने की अनुमति प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-874/भूमि व्यवस्था-भूमि कय-06 दिनांक 14 जलाई, 2006 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय मै0 एक्सप्रेसवे शोर्टब्रेक रिसोर्ट को होटल व्यवसाय हेतु उत्तरांचल (उ0प्र0 जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम, 1950) (अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2001) (संशोधन) अधिनियम, 2003 दिनांक 15-1-2004 की धारा-154(4)(3)(क)(ii) के अन्तर्गत तहसील रुड़की के ग्राम लिब्बरहेड़ी में कुल 0.684 है0 भूमि कय करने की अनुमति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के साथ प्रदान करते हैं:-

- 1- क्रेता धारा-129-ख के अधीन विशेष श्रेणी का भूमिधर बना रहेगा और ऐसा भूमिधर भविष्य में केवल राज्य सरकार या जिले के कलेक्टर, जैसी भी स्थिति हो, की अनुमति से ही भूमि कय करने के लिये अर्ह होगा।
- 2- क्रेता बैंक या वित्तीय संस्थाओं से ऋण प्राप्त करने के लिये अपनी भूमि बन्धक या दृष्टि बन्धित कर सकेगा तथा धारा-129 के अन्तर्गत भूमिधरी अधिकारों से प्राप्त होने वाले अन्य लाभों को भी ग्रहण कर सकेगा।
- 3- क्रेता द्वारा कय की गई भूमि का उपयोग दो वर्ष की अवधि के अन्दर, जिसकी गणना भूमि के विक्रय विलेख के पंजीकरण की तिथि से की जायेगी अथवा उसके बाद ऐसी अवधि के अन्दर जिसको राज्य सरकार द्वारा ऐसे कारणों से जिन्हें लिखित रूप में अभिलिखित किया जायेगा, उसी प्रयोजन के लिये करेगा जिसके लिये अनुज्ञा प्रदान की गई है। यदि वह ऐसा नहीं करता अथवा उस भूमि का उपयोग जिसके लिये उसे स्वीकृत किया गया था, उससे भिन्न किसी अन्य प्रयोजन हेतु करता है अथवा जिस प्रयोजनार्थ कय किया गया था उससे भिन्न प्रयोजन के लिये विक्रय, उपहार या अन्यथा भूमि का अन्तरण करता है तो ऐसा अन्तरण उक्त अधिनियम के प्रयोजन हेतु शून्य हो जायेगा और धारा-167 के परिणाम लागू होंगे।

...(2)

- 4- जिस भूमि का संक्रमण प्रस्तावित है उसके भूस्वामी अनुसूचित जनजाति के न हों और अनुसूचित जाति के भूमिधर होने की स्थिति में भूमि क्रय से पूर्व सम्बन्धित जिलाधिकारी से नियमानुसार अनुमति प्राप्त की जायेगी।
- 5- जिस भूमि का संक्रमण प्रस्तावित है उसके भूस्वामी असंक्रमणीय अधिकार वाले भूमिधर न हों।
- 6- आवेदक स्थापित किये जाने वाले उद्योग में उत्तरांचल के निवासियों को 70 प्रतिशत रोजगार/सेवायोजन उपलब्ध करायेगा।
- 7- उपरोक्त शर्तों/प्रतिबन्धों का उल्लंघन होने पर अथवा किसी अन्य कारणों से, जिसे शासन उचित समझता हो, प्रश्नगत स्वीकृति निरस्त कर दी जायेगी।

कृपया तदनुसार आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय

(एन0एस0नपलच्याल)  
प्रमुख सचिव।

संख्या एवं तददिनांक।

- प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-
- 1- मुख्य राजस्व आयुक्त, उत्तरांचल, देहरादून।
  - 2- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
  - 3- प्रमुख सचिव, पर्यटन विभाग, उत्तरांचल शासन।
  - 4- निदेशक, पर्यटन निदेशालय, पटेल नगर, देहरादून।
  - 5- श्री सुमन कुमार मल्होत्रा, मैनेजिंग डायरेक्टर, एक्सप्रेसवे शोर्टब्रेक रिसोर्ट लि0, 25-जी, साऊथ एक्सटेंशन, नई दिल्ली।
  - 6- निदेशक, एन0आई0सी0, उत्तरांचल सचिवालय।
  - 7- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,  
  
(सुनील सिंह)  
अनुसचिव।